

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत  
एम.फिल्. - पीएच.डी.  
हिंदी

(जून २०१३-२०१४, २०१४-२०१५ तथा २०१५-२०१६ के वर्षों के लिए)

१०० अंक

प्रश्नपत्र-१  
शोध-प्रविधि

१. अनुसंधान का स्वरूप-  
अनुसंधान शब्द- विभिन्न पर्याय-अर्थ एवम् परिभाषा-अनुसंधान क्या है? अनुसंधान का महत्व अनुसंधान की उपयोगिताएँ-प्रकृति एवम् क्षेत्र- उनकी उपयुक्तता ।
२. अनुसंधान और चिंतन: अनुसंधान और चिंतन प्रक्रिया और मानव-प्रगति-चिंतन के विश्लेषणात्मक प्रकार- सक्रिय एवम् निष्क्रिय चिंतन-बौद्धिक, तार्किक और सृजनात्मक चिंतन ।
३. अनुसंधाता के गुण- सत्य की खोज-परीक्षण, चिंतन और तर्क-सहनशीलता, परिश्रमशीलता-कार्यशीलता-विषय का पूर्व ज्ञान और रुचि- अन्य गुण- त्याज्य गुण ।
४. निर्देशक के गुण- निर्देशक-क्षमता-रुचि-आत्मविश्वास-वैचारिक स्पष्टता-प्रोत्साहन देना निर्देशन के सिद्धांत । ५. अनुसंधान के प्रकार- साहित्यिक- आलोचनात्मक- काव्यशास्त्रीय- तुलनात्मक- ऐतिहासिक- भाषा- वैज्ञानिक- समाजशास्त्रीय ।
६. साहित्यिक अनुसंधान- साहित्यिक अनुसंधान के प्रकार-उद्देश्य एवम् महत्व ।
७. तुलनात्मक अनुसंधान- प्रकार- उद्देश्य एवम् उपयोगिताएँ ।
८. समाजशास्त्रीय अनुसंधान- प्रविधियाँ एवम् प्रकार
८. अनुसंधान के सौपान- समस्या का अनुभव-अनुभूत समस्या-समस्या का निर्धारण तात्कालिक समाधान और समाधान की संभवनाएँ- सीमाओं का निर्धारण ।
९. अनुसंधान और समीक्षा, अनुसंधान और आलोचना ।
१०. पाठालोचन या पाठानुसंधान के मुख्य सिद्धांत ।

**संदर्भ पुस्तकें-**

शोध: स्वरूप एवम् मानक व्यावहारिक कार्य-विधि-बैजनाथ सहगल वाणी प्रकाशन

साहित्यिक अनुसंधान के आयाम-डॉ.आर.के.जैन

नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

साहित्यिक अनुसंधान का स्वरूप-डॉ.सावित्री सिंहा

नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

अनुसंधान प्रविधि-डॉ.एस.एन.गणेशन

लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

शोध-प्रविधि-आचार्य विनयमोहन शर्मा

नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

नवीन शोध-विज्ञान-डॉ. तिलक सिंह

प्रकाशन संस्थान, दिल्ली

## प्रश्नपत्र-२ शोध-प्रक्रिया

१०० षट्

१. शोध-विषय का चुनाव: स्वरूप और उद्देश्य- प्रारंभिक तैयारी-शोधार्थी की दुर्बलताएँ- विषय कैसे चुने? मूल विषय की गंभीरता या महत्ता-सफलता की संभावना-उद्देश्य ।
२. अनसंधान की उपयुक्तता और सीमा-निर्धारण ।
३. साहित्यिक अनसंधान की प्रक्रिया- विषय चयन की कठिनाईयाँ- सामग्री-संकलन-सामग्री प्राप्ति के स्रोत-सामग्री संकलन विधि-मौलिक स्रोत-गौण स्रोत-मूल ग्रंथ-सहायक ग्रंथ-सर्वेक्षण-सामग्री संकलन की पद्धति- पश्चावली पद्धति- नोट लेने की पद्धतियाँ- बही प्रणाली- मिसिल प्रणाली- टीप कार्ड लिखने मानक तरीके उद्धरण के स्रोत- निष्कर्ष-निष्पादन- परिशिष्ट- ग्रंथ सूची ।
४. विषय परक रूपरेखा बनाने की पद्धति- अर्थ एवम् परिभाषा- कामचलाऊ रूपरेखा-विषय परक कामचलाऊ रूपरेखा बनाने की पद्धति ।
५. प्रबंध-प्रस्तुतीकरण (उदाहरण सहित)- मख पृष्ठ, प्राक्कथन- घोषण-पत्र- विषय सूची की रूपरेखा ।
६. हिंदी अनसंधान साहित्यिक इतिहास ।
७. साहित्यिक अनसंधान की उपलब्धियाँ ।

### संदर्भ पुस्तकें-

शोध: स्वरूप एवम् मानक व्यावहारिक कार्य-विधि-बैजनाथ सहगल वाणी प्रकाशन	
साहित्यिक अनुसंधान के आयाम-डॉ. आर.के. जैन	नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
अनुसंधान का स्वरूप-डॉ. सावित्री सिंहा	नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
अनुसंधान प्रविधि-डॉ. एस. एन. गणेशन	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
शोध-प्रविधि-आचार्य विनयमोहन शर्मा	नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
नवीन शोध-विज्ञान-डॉ. तिलक सिंह	प्रकाशन संस्थान, दिल्ली

एम. फ़िल्.  
प्रश्नपत्र-३  
हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि

१०० अंक

**पाठ्यविषय**

हिन्दी के इतिहास लेखक और उनकी इतिहास दृष्टि

विचारधारा और साहित्य

मध्ययुगीन बोध का स्वरूप

विभिन्न धर्म साधनाएँ और वैष्णव धर्मान्दोलन

मध्ययुगीन-बोध और आधुनिक-बोध में साम्य-वैषम्य

आधुनिकता-बोध और औद्योगिक-संस्कृति

राष्ट्रीयता और अन्तरराष्ट्रीयता

पुनर्जागरण, पुनरुत्थान और हिन्दी लोक-जागरण

हिन्दी साहित्य में संबद्ध विशिष्ट मतवाद-अध्यात्मवाद, गाँधीवाद, मार्क्सवाद, धर्म, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, अन्तश्चेतनावाद, उत्तर-आधुनिकतावाद

परम्परा और आधुनिकता

राष्ट्रीय स्वातंत्र्य आंदोलन

भारतीय सांविधानिक व्यवस्था-लोकतंत्र, समाजवाद, पंथनिरपेक्षता, दलित-चेतना, स्त्री-विमर्श आंचलिकता और महानगर बोध

साहित्य का अंतर्विधापरक अध्ययन-साहित्य का समाजशास्त्र, इतिहास-दर्शन, मनोवैज्ञानिक अध्ययन, सांस्कृतिक अध्ययन, भाषा वैज्ञानिक विवेचन, भाषा प्रौद्योगिकी, साहित्य का वैज्ञानिक बोध

**प्रश्नपत्र-४**

लघु शोध-प्रबंध का लेखन

१०० अंक

**प्रश्नपत्र-५**

मौखिक

१०० अंक